येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

“उस दिन मैं येरूशलेम को सब जातियों के लिए एक भारी पत्थर बनाऊँगा; जो भी उसे उठाने का प्रयास करेंगे, वे कट-छँट जाएंगे, चाहे पृथ्वी की सारी जातियाँ उसके विरुद्ध इकट्ठी
हो जाएँ।” — जकर्याह 12:3

येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

भविष्य में दो बड़े युद्ध होने की अपेक्षा है।

पहला युद्ध गोग और मागोग का युद्ध है, जिसका वर्णन यहेजकेल 38–39 में किया गया है।
दूसरा युद्ध हरमगिदोन (Armageddon) का है, जिसका वर्णन प्रकाशितवाक्य 16:15 और 19:11–21 में मिलता है, जहाँ परमेश्वर स्वयं हस्तक्षेप करेगा।

एक तीसरा संघर्ष भी होगा जो मसीह के 1000 वर्ष के राज्य के बाद होगा, जिसमें फिर से मागोग शामिल होगा—लेकिन हम आज उस पर चर्चा नहीं करेंगे।

येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

गोग और मागोग का युद्ध

पहली भविष्यवाणी बताती है कि उत्तर से एक राजा आएगा, जो आसपास की कुछ जातियों को साथ लेकर आएगा। उनका उद्देश्य इस्राएल को पृथ्वी के मानचित्र से मिटाना होगा।

आज की स्थिति में, इस्राएल के उत्तर में स्थित एक शक्तिशाली राष्ट्र रूस को अक्सर गोग और मागोग से जोड़ा जाता है। अंत के दिनों में यह घटना घटेगी, लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

वे पूरी तरह नष्ट कर दिए जाएंगे। शास्त्र बताता है कि उनके शवों को इस्राएल में सात महीनों तक दफनाया जाएगा, और उनके हथियारों का उपयोग सात वर्षों तक ईंधन के रूप में किया जाएगा।

“और सात महीने तक इस्राएल का घराना उन्हें दफनाता रहेगा…
और सात महीने के बाद वे खोज करेंगे।” — यहेजकेल 39:12–14

उस समय यह उस उत्तरी शक्ति के अंत को दर्शाएगा।

येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

हरमगिदोन का युद्ध

दूसरा युद्ध हरमगिदोन है। इसमें पूर्व के राष्ट्र शामिल होंगे। इस बार केवल कुछ राष्ट्र नहीं, बल्कि संसार की सभी बची हुई जातियाँ अपने नेताओं के साथ मिलकर इस्राएल को नष्ट करने का प्रयास करेंगी।

आप पूछ सकते हैं: क्यों इस्राएल? क्यों पूरी दुनिया एक छोटे राष्ट्र के विरुद्ध इकट्ठी होगी?

इसका कारण केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह परमेश्वर की भविष्यवाणी और योजना से जुड़ा हुआ है।

आज भी यदि यहूदी पूरी तरह अनुग्रह में लौटे नहीं हैं, तब भी कई राष्ट्र उनसे घृणा करते हैं—तो जब वे अपने मसीहा को स्वीकार करेंगे, तब क्या होगा?

यह दबाव समय के साथ और बढ़ेगा। परमेश्वर स्वयं राष्ट्रों को इस प्रकार उकसाएगा कि यह वचन पूरा हो:

“देखो, मैं येरूशलेम को चारों ओर के सब लोगों के लिए कांपने
का प्याला बनाऊँगा… और उस दिन मैं येरूशलेम को सब लोगों के

येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

लिए भारी पत्थर बनाऊँगा; जो भी उसे उठाएंगे वे कट जाएंगे।”
— जकर्याह 12:2–3

यह राष्ट्रों को उनके अंतिम न्याय की ओर ले जाएगा।

वे हरमगिदोन में इकट्ठे होंगे। उस समय इस्राएल अपने मसीहा, यीशु मसीह पर विश्वास करेगा। वे चारों ओर से घिरे होंगे और प्रभु से प्रार्थना करेंगे कि वह उनके लिए लड़ाई लड़े।

फिर वे मनुष्य के पुत्र को आकाश के बादलों पर सामर्थ्य और महिमा के साथ आते देखेंगे, अपने संतों के साथ।

उस समय राष्ट्र विलाप करेंगे, लेकिन उनका अंत होगा। प्रभु अपने मुख से निकलने वाली तलवार से उन्हें नष्ट करेगा।

“मैंने स्वर्ग को खुला हुआ देखा… और उसके मुँह से एक तेज
तलवार निकलती थी… और उसके वस्त्र और जांघ पर यह नाम लिखा
था: राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।” — प्रकाशितवाक्य 19:11–16

येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

समय के संकेत

वह समय बहुत निकट है। आज हम मध्य पूर्व में हो रही घटनाओं को देखते हैं। इस्राएल के विरुद्ध राष्ट्रों की संख्या बढ़ रही है, और उनसे घृणा करने वाले धर्म भी बढ़ रहे हैं।

यह सब परमेश्वर की ओर से एक संकेत है कि अंत निकट है।

इन घटनाओं से पहले कलीसिया का उठाया जाना (rapture) होगा। संकेत बताते हैं कि किसी भी समय तुरही बज सकती है। मसीह में मरे हुए लोग उठेंगे और स्वर्ग में मेम्ने के विवाह भोज में शामिल होंगे।

लेकिन जो पीछे रह जाएंगे, उनके लिए अनुग्रह का द्वार अब पहले जैसा खुला नहीं रहेगा।

आज ही निर्णय लें

आप यीशु मसीह को अपने जीवन में आने से क्यों टाल रहे हैं? झूठी शांति की बातों से धोखा न खाएँ।

येरूशलेम को मैं एक भारी पत्थर बनाऊँगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“प्रभु का दिन ऐसे आएगा जैसे रात में चोर आता है… जब लोग कहेंगे, ‘शांति और सुरक्षा है,’ तब अचानक विनाश आ जाएगा।” —
1 थिस्सलुनीकियों 5:2–3

क्या आप देखते हैं?

अपने सारे पापों से पश्चाताप करें। मसीह की ओर लौटें जब तक समय है। अपने जीवन को सही क्रम में रखें। आज का सुसमाचार अत्यंत आवश्यक है—कटाई का समय निकट है।

मेरी प्रार्थना है कि आप और मैं उन लोगों में पाए जाएँ जो अपने आप को पवित्र करते हैं।

प्रभु आपको आशीष दे।

Share on:
WhatsApp